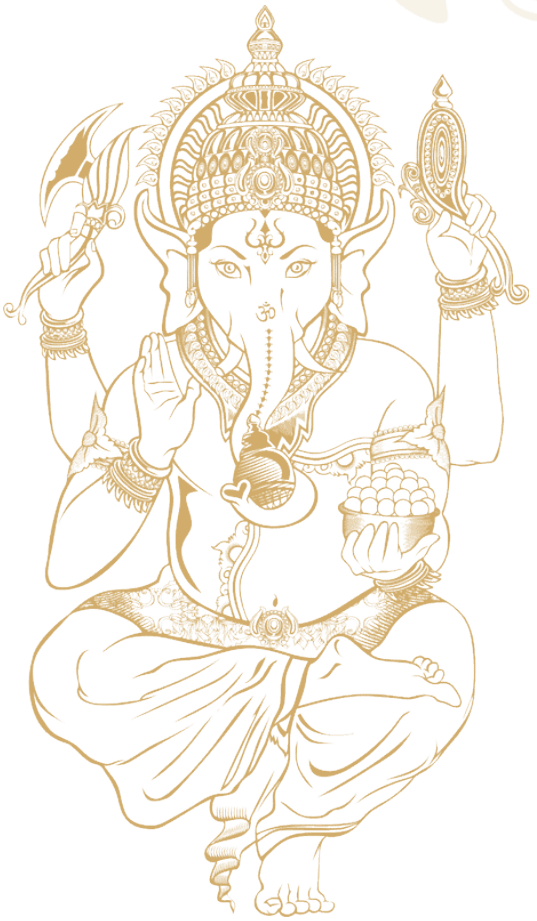

Suryansh

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121218805

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/11/1993	जन्म तिथि	19-20/10/1997
गुरुवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 21:30:00	जन्म समय	04:11:00 घंटे
घटी 37:16:22	जन्म समय(घटी)	54:26:16 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:27	सूर्योदय	06:24:29
17:34:33	सूर्यास्त	17:47:30
23:46:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 4वर्ष 7मा 0दि		19:28:11	मिथु	लग्न	कन्या	02:33:59	मंगल 6वर्ष 9मा 3दि	
शनि		18:28:37	तुला	सूर्य	तुला	02:45:12	गुरु	
06/06/2014		16:36:15	मिथु	चंद्र	वृष	23:47:27	24/07/2022	
06/06/2033		02:57:57	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	21:09:45	24/07/2038	
शनि	09/06/2017	21:54:03	तुला व	बुध	तुला	06:53:50	गुरु	10/09/2024
बुध	17/02/2020	05:00:45	तुला	गुरु	मक	18:29:44	शनि	25/03/2027
केतु	28/03/2021	00:41:42	तुला	शुक्र	वृश्चि	18:56:38	बुध	30/06/2029
शुक्र	27/05/2024	29:54:26	मक	शनि व	मीन	22:19:06	केतु	06/06/2030
सूर्य	09/05/2025	09:19:53	वृश्चि	राहु व	सिंह	25:17:29	शुक्र	04/02/2033
चन्द्र	09/12/2026	09:19:53	वृष	केतु व	कुंभ	25:17:29	सूर्य	23/11/2033
मंगल	17/01/2028	25:03:51	धनु	हर्ष	मक	10:55:28	चन्द्र	25/03/2035
राहु	23/11/2030	24:56:51	धनु	नेप	मक	03:23:17	मंगल	29/02/2036
गुरु	06/06/2033	01:07:49	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:12:14	राहु	24/07/2038

लग्न-चलित

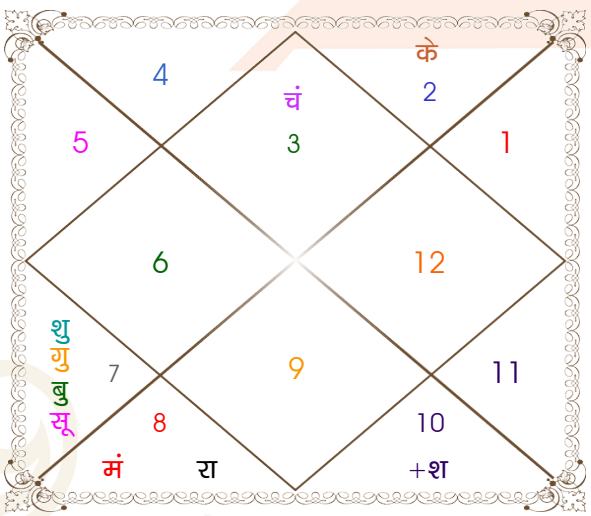

लग्न-चलित

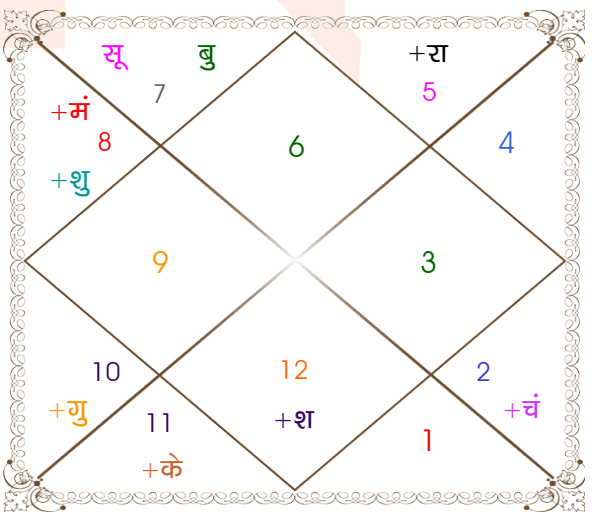

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Suryansh का वर्ग मार्जार है तथा Sakshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suryansh और Sakshi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Suryansh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Suryansh तथा Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।